बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -08 - 11- 2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ -15 शिष्टाचार के नियमों के बारे में अध्ययन करेंगे ।

दूसरा नियम

किसी की निजी बातों में दखल न देना।

परिवार, आयु, जाति, पर्म, वेतन आदि प्रत्येक व्यक्ति की निजी बातें होती है।

हमें किसी व्यक्ति से इनमें संबंधित प्रश्न नहीं पूछना चाहिए।

जब किसी के पर जाएँ, तो वहाँ रखी चीजों से छेड़छाड़ न करें।

जब कोई कुछ लिख रहा हो, तो झाँक -झांककर उसे पढ़ने की कोशिश न करें यह अशिष्टता का सूचक है।

लेकिन ध्यान रखि

तीसरा नियम है-धन्यवाद देना और क्षमा माँगना।

यदि कोई व्यक्ति हमारे लिए कोई काम करता है, तो उसे 'धन्यवाद' देना शिष्टता की निशानी है। इसी तरह जब किसी से कोई वस्तु माँगे, तो उसे लौटाते समय भी 'धन्यवाद' कहना चाहिए।लेकिन ध्यान रखिए

धन्यवाद' शब्द बोलते समय ऐसा लगे कि हम हदय से धन्यवाद कह रहे हैं, न कि दिखावे के लिए।

यदि कोई गलती हो जाए तो तुरंत 'क्षमा' माँगनी चाहिए

चौथा नियम । -नाम से पहले या बाद में सम्मानसूचक शब्द लगाना।

किसी बड़े व्यक्ति का नाम बोलते समय लिखते समय श्री, श्रीमान (पुरुषों के लिए), श्रीमती, कुमारी (स्त्रीयों के लिए) लगाना चाहिए।

कुछ व्यक्तियों के नाम से पहले 'पंडित' या डॉक्टर आदि शब्द प्रयोग किए जाते हैं।

जैसे पंडित जवाहलाल नेहरू, डॉक्टर ए०पी० अब्दुल कलामा बड़े लोगों के नाम के बाद 'जी' भी लगाना चाहिए; जैसे- गाँधी जी, नेहरू जी, इंदिरा जी।